OM - 19- 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 12/10/2021 11:46 AM Page 5



# परमात्म शिक्षा को ग्रहण करने वाला सर्वश्रेष्ठ ग्राही - प्रजापिता ब्रह्मा

कहा जाता है कि दुनिया में जब बच्चों को बहुत अच्छी शिक्षा देनी होती है, शुरुआत से अभी तक की जो परंपरा रही है, उसमें ब्रह्मचर्य, संयम-नियम का रोल बहुत ज़्यादा होता है। एक बच्चे की पवित्रता, उसका आकर्षण उस हद तक अच्छा होता है जब वो सीख रहा होता है। अब इसको चाहे घटना के रूप में देखें या फिर संयोग कहें कि इस संस्थान के संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा साठ साल की उम्र में एक परम शक्ति को अपने साथ रख रहे थे। वो परम शक्ति परमात्मा की बातों को सुनते भी थे, समझते भी थे और महसूस भी करते थे। लेकिन एक भक्त की तरह नहीं, एक बच्चे की तरह। जैसे ही उस बच्चे की भावना के साथ उन्होंने जीना शुरु किया, उनके अंदर अलग तरह के भाव पैदा हुए। सीखने का भाव, 'सीख' इस सेंस में था कि ये ज्ञान परमात्मा का है, परमात्मा सर्व शक्तिमान है और उसकी बातों को समझना इतना आसान तो नहीं है। इसीलिए सबसे पहले उन्होंने इस बात को समझना, धारण करना शुरु किया और उसे उसी हिसाब से फॉलो करना शुरु किया। जैसे छोटे बच्चे को जब वो के.जी. या वन,टू, थ्री में पढ़ रहा होता है तो उसे इमेज दिखाकर सिखाया जाता है, वैसे ही परमात्मा शिव ने ब्रह्मा बाबा को अलग-अलग साक्षात्कार द्वारा, अलग-अलग चित्रों द्वारा सिखाना शुरु किया। लेकिन उन सारी शिक्षाओं को समझ पाना, उसके लिए दिव्य बुद्धि की आवश्यकता थी। वो परमात्मा ने प्रदान किया। बड़े ही गर्व का विषय है कि प्रजापिता ब्रह्मा ने उन सभी बातों को, सभी शिक्षाओं को एक-एक करके अपने अंदर समाया और जैसे-जैसे बड़े होते गए एक साठ साल के बच्चे की उम्र से, वैसे-वैसे उनको भगवान भी समझ में आने लग गया। ये उदाहरण क्यों दिया जा रहा है आपको, क्योंकि कोई भी शिक्षा धारण करने के लिए धैर्य की आवश्यकता है। और परमात्म शिक्षा के लिए तो लगातार संयम-नियम और निरंतर ब्रह्मचर्य की आवश्यकता है। हिन्दु धर्म की चार अवस्थाओं में जो हमारी वानप्रस्थ अवस्था होती है, उसमें कहते हैं कि हम अपने गृहस्थ धर्म से मुक्त हो जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद आपको परमात्म कार्य में लगना चाहिए। लेकिन आज इतने बंधन हैं कि वानप्रस्थ अवस्था आती ही नहीं। लोग पचास-साठ साल तक भी अपने घरों के पचरे में पड़े हुए होते हैं। क्या होता है उस समय जब इतनी सारी उलझनों को लेकर हम आगे बढ़ रहे होते हैं। न हम किसी को सम्भाल सकते हैं और न खुद को ही सम्भाल सकते हैं, चाहे हमें कोई कितनी भी शिक्षा देने वाला हो। एक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा हुए इस धरा पर, जिन्होंने इन शिक्षाओं का एक बहुत बड़ा ब्रिज बनाया। जिसमें कलयुग की सारी मान्यताओं को एक तरफ छोड़ा और उस शिक्षा रूपी ब्रिज से बहुतों को उस पार ले गये जिधर एक बहुत सुंदर जीवन को हम जीवंत रूप से जी सकते हैं। इतने सारे छोटे-छोटे बच्चों को बाबा ने उस ब्रिज से पार उतारा। आज बहुत पार उतरे हुए उन आत्माओं ने अपने अंदर उन शिक्षाओं को पूरी तरह से धारण किया, क्योंकि जो ब्रह्माकुमारीज़ यज्ञ है, इसमें जो बाबा के साथ का पहला समूह था, उसने परमात्म शिक्षाओं को वैसे ही धारण किया जैसे प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने किया। यह उदाहरण हम आपको इसलिए दे रहे हैं क्योंकि दिव्य बुद्धि का जो मेन स्रोत है वो परमात्म शिक्षा ही है और जब तक वो शिक्षा हमारी बुद्धि के अंदर नहीं जायेगी तब तक हमारी बुद्धि दिव्य व अलौकिक नहीं बनेगी। बिना दिव्य और अलौकिक बने हम सभी उन महावाक्यों को ग्रहण नहीं कर सकते जो परमात्मा द्वारा कहे जाते हैं। इसीलिए आप देखिये, नम्बर वन प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, जिन्होंने अपने को वैसे ही ढ़ाला जैसी शिक्षायें थीं। ये ऐसे एक महामानव के रूप में उभरे जिन्होंने इस धरती पर एक क्रान्ति लाई आध्यात्मिकता की। प्रजापिता ब्रह्मा बाबा अव्यक्त रूप में अभी भी उन शिक्षाओं का पालन करते हुए सभी को बल प्रदान कर रहे हैं। ऐसे ग्रहणी और गृहणी, अति विशिष्ट, अति-अति सौभाग्यशाली, हम सभी आत्माओं को अपने जैसा अति विशिष्ट और शक्तिशाली बनाने वाले प्रजापिता ब्रह्मा बाबा को उनके पुण्य स्मृति दिवस पर शत्-शत् नमन्।

पन्ना-म.प्र.। ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह,कैबिनेट मिनिस्टर,म.प्र. सरकार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीता बहन।

हुमनाबाद-कर्नाटक। ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित विश्व कल्याणी भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, एम.एल.ए. राजशेखर पाटिल, एम.एल.सी. डॉ. चंद्रशेखर पाटिल, ब्र.कु. प्रेम भाई, ब्र.कु. प्रतिमा बहन, ब्र.कु. प्रभाकर भाई, ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. मंदाकिनी बहन तथा अन्य।

मुम्बई-घाटकोपर। फेमस लॉयर अबद पोंडा के साथ ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें प्रसाद देते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी। साथ में अन्य ब्र.कु. बहनें दिखाई दे रही हैं।

स्वीटज़रलैंड-ज्यूरिक। राजयोग के प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय और कन्फ्ल्युएंस मेक इन इंडिया एन.जी.ओ. द्वारा हयात रिजेंसी कन्वेंशन सेंटर,ज्यूरिक,स्वीटरज़रलैंड में डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके को भारत गौरव सम्मान प्रदान करते हुए ग्लोबल फिटनेस गुरू मिकी मेहता तथा अन्य।

राजसमंद-राज.। दीपावली पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, उनकी धर्मपत्नी डॉ. शैली, ब्र.कु. पूनम बहन तथा अन्य।

मंदसौर-म.प्र.। सड़क दुर्घटना में पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर आत्म कल्याण भवन में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, प्रेस क्लब अध्यक्ष ब्रजेश जोशी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. उषा बहन, ब्र.कु. श्यामा बहन तथा अन्य। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ऊरगमपेट-कर्नाटक। के.जी.एफ. के ऊरगमपेट में नवनिर्मित सेवाकेन्द्र के उद्घाटन एवं ब्र.कु. यशोदा के समर्पण समारोह में शरीक हुए ब्र.कु. लीला बहन,उपक्षेत्रीय संचालिका,बैंगलोर सिटी, ब्र.कु. गीता बहन,अति. उपक्षेत्रीय संचालिका,बैंगलोर सिटी, ब्र.कु. रतना बहन,सेवाकेन्द्र संचालिका,के.जी.एफ. तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

सिवान-बिहार। बसंतपुर प्रखण्ड के गांधी आश्रम में आयोजित 'चरित्र निर्माण आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी' का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. सुधा बहन, सेवानिवृत्त कर्नल सत्यनारायण सिंह, सुपर मिनर्वा पब्लिक स्कूल के संस्थापक लक्ष्मण सिंह तथा अन्य अतिथिगण।

मोतिहारी-बिहार। नरकटिया पंचायत की नवनिर्वाचित मुखिया विभा देवी के सम्मान में ब्रह्माकुमारीज़ के हेंद्री बाज़ार सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें शॉल पहनाकर सम्मानित करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विभा बहन। साथ हैं ब्र.कु. अशोक वर्मा।

आरंग-छ.ग.। ज्ञान चर्चा के पश्चात् पुलिस स्टेशन में टी.आई. साहब को ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. लता दीदी। साथ है पुलिस स्टाफ।